बेटी की विदाई मां-बाप के लिए दुख की घड़ी- अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीकी

हजारीबाग । रविवार को नूरा, हजारीबाग मोहम्मद हबीब मरहूम के आवास पर एक मज़हबी दीनी सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूरा मोहल्ला, नूरा ,पगमल, अंसार नगर, हजारीबाग के काफ़ी लोगों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध इस्लामिक स्कॉलर अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीकी ने फरमाया कि- दुनिया में पैदा होने वाली दो ही जातियां होती हैं या बच्ची होती है, या बच्चा होता है। लेकिन, दोनों को पढ़ाने में और दोनों को बढ़ाने में, बाप कोई कसर नहीं बाक़ी रखता है। अपनी पूरी ताक़त से वो, जहां तक उससे उसकी हैसियत के मुताबिक हो पाता है, वो पढ़ाता है और बढ़ाता है। मगर, जब अपनी बेटी को दूसरों के घरों में तैयार करके भेजता है, तो बाप का और मां का कलेजा फट जाता है।

बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

● वर्ष: 24 ● अंक: 26 ● नई दिल्ली ● सोमवार 03 नवम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी ने पेश किया अपना एजेंडा, विकास और जवाबदेही पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में चल रहे छात्रसंघ चुनावों के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने आज अपने उम्मीदवारों के माध्यम से विश्वविद्यालय की पारंपरिक वैचारिक राजनीति से हटकर छात्रों के वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित एजेंडा प्रस्तुत किया है.

अभाविप ने कहा कि अब समय आ गया है जब जेएनयू की राजनीति नकारात्मक विचारधारा से निकलकर पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की राह पर लौटे. संयुक्त सचिव पद के उम्मीदवार अनुज ने कहा कि जेएनयू के छात्र प्रतिभाशाली हैं, लेकिन संसाधनों की कमी उनकी प्रगति में बाधक बनती है. उन्होंने कहा, अभाविप चाहती है कि विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स कोटा लागू हो, खेल मैदानों और जिम की सुविधाओं का नवीनीकरण किया जाए और खेलों को जेएनयू की पहचान के रूप में पुनर्स्थापित किया जाए. अनुज ने आगे बताया कि विज्ञान विभागों की प्रयोगशालाओं में सुधार, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और एआई आधारित शिक्षा प्रणाली की शुरुआत अभाविप के एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल हैं. उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य है कि जेएनयू विचारधारा नहीं, नवाचार का केंद्र बने.

पारदर्शिता और जवाबदेही पर फोकस

सचिव पद के उम्मीदवार राजेश्वर कांत दुबे ने विश्वविद्यालय प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, किसी भी लोकतांत्रिक परिसर में संवाद और जवाबदेही अनिवार्य हैं. अभाविप सुनिश्चित करेगी कि प्रशासनिक निर्णयों में छात्रों की भागीदारी हो और सीपीओ मैनुअल जैसे असंवेदनशील प्रावधानों की समीक्षा की जाए. राजेश्वर ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय में कई स्तरों पर पारदर्शिता की कमी रही है. उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि समाधान प्रस्तुत करना है.,

स्वास्थ्य और रोजगार पर काम करेगा अभाविप

अभाविप ने अपने घोषणापत्र में स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय के विकास के लिए अब ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो छात्र-हितों को प्राथमिकता दे. संगठन ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, पुस्तकालयों के डिजिटलीकरण, रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों की शुरुआत और छात्रवृत्तियों में पारदर्शिता को अपने प्रमुख लक्ष्यों में शामिल किया है. अभाविप का एजेंडा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है. संगठन एक ऐसे जेएनयू की परिकल्पना कर रहा है जहां छात्र राजनीति का अर्थ विरोध नहीं, बल्कि निर्माण, नेतृत्व और जवाबदेही हो.

विचारधारा से आगे विकास की बात

जेएनयू के केंद्रीय चुनाव समन्वयक अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि हम वामपंथी विचारधारा की नकारात्मकता नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी सोच और विकास की दिशा में संगठित प्रयास चाहते हैं. अभाविप वह संगठन है जो केवल आवाज़ नहीं उठाता, बल्कि ठोस परिणाम देने का साहस भी रखता है.

जरूरी काम बताकर बहाने से बुलाया, लड़की पर साथ चलने का बनाया दबाव, राजी नहीं होने पर चाकू से गोदा

नई दिल्ली । दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक नाबालिग लड़की को साथ ले जाने में नाकाम युवक ने उसे चाकू से गोद दिया। आरोपी लड़की को लेकर बिहार जाना चाहता था। लहूलुहान हालत में लड़की अस्पताल पहुंची। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके का मुआयना करने के बाद लड़की के बयान पर आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उत्तर जिला के पुलिस अधिकारी ने बताया कि 16 साल की पीड़ित लड़की परिवार के साथ झड़ौदा इलाके में रहती है। उसका परिवार मूलतः यूपी के जिला कासगंज का रहने वाला है। वजीराबाद थाने में दर्ज प्राथमिकी में घायल लड़की ने बताया कि करीब एक साल पहले वह मोरी गेट में पैकिंग का काम करती थी, तभी उसकी जान पहचान वहां काम करने वाले सोनिया विहार निवासी एक लड़के से हुई। उसके बाद उसने मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों की फोन पर बात होने लगी। लड़की का आरोप है कि तभी से ही वह अपने साथ भागने की जिद करने लगा था। लेकिन उसने हर बार उसे मना कर दिया। दो दिन पहले सुबह करीब 10 बजे उस लड़के ने फोन किया। उसने कहा कि मैं झड़ौदा एमसीडी स्कूल के पास गली में खड़ा हूं, एक जरूरी काम के लिए कुछ बात करनी है। उसके बुलाने पर वह उससे मिलने उस गली में आ गई। आरोप है कि वह लड़की को अपने साथ बिहार ले जाने की जिद करने लगा। लड़की ने मना करने पर वह गुस्से में आ गया और जान से मारने की धमकी देकर उसपर चाकू से पेट पर वार कर दिया। बचाव में लड़की ने अपने हाथ से चाकू पकड़ने की कोशिश की, आरोपी ने दोबारा उसके पेट में चाकू से वार कर दिया और वहां से भाग गया। हमला करने के दौरान आरोपी का मोबाइल वहीं गिर गया। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में कर लिया है। खून से लथपथ हालत में लड़की पेट दबाकर अपनी मां को फोन कर घटना के बारे में बताया और फिर पास के अस्पताल पहुंचकर अपना इलाज करवाया। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के बाद से भागे आरोपी की तलाश कर रही है।

नक्सली हिंसा पर लगाम; सुरक्षा-संबंधी व्यय योजना में अब सिर्फ 38 जिले, 11 जनपद वामपंथी उग्रवाद प्रभावित

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के ताजा समीक्षा के मुताबिक देश में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या लगातार घट रही है। अब सुरक्षा-संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत आने वाले जिलों की संख्या 46 से घटकर 38 रह गई है। इनमें सिर्फ 11 जिले ही अब वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) यानी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित माने गए हैं। यह समीक्षा गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 15 अक्तूबर को जारी की। ये समीक्षा राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना 2015 के तहत की गई, जिसमें केंद्र और राज्य मिलकर नक्सल समस्या से निपटते हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई और विकास कार्यों के असर से नक्सल हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है। यही वजह है कि सुरक्षा-संबंधी व्यय योजना के तहत जिलों की संख्या कम की गई है। देश में अब सिर्फ तीन जिले सबसे अधिक प्रभावित श्रेणी में बचे हैं। इसमें छत्तीसगढ़ के तीन जिले- बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा शामिल हैं। साल 2015 में जब यह श्रेणी बनाई गई थी, तब ऐसे 35 जिले थे। अब यह संख्या घटकर तीन पर आ गई है। इन जिलों में नक्सल प्रभाव घट रहा है, लेकिन विकास और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की अभी भी जरूरत है। इसमें छत्तीसगढ़ का कांकेर, झारखंड का पश्चिम सिंहभूम, मध्य प्रदेश का बालाघाट और महाराष्ट्र का गढ़चिरौली शामिल है। ये जिले अब नक्सलवाद से लगभग मुक्त हैं, लेकिन सरकार इन इलाकों में फिर से नक्सल प्रभाव न बढ़े, इसके लिए समर्थन और क्षमता निर्माण जारी रखेगी। इस श्रेणी में ओडिशा के आठ जिले, छत्तीसगढ़ के छह जिले, बिहार के चार जिले, झारखंड के तीन जिले, तेलंगाना के दो और आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल से एक-एक जिला शामिल है।

हॉस्पिटल में जरूरी दवाओं की किल्लत पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, आरएमएल अस्पताल से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज की सुविधाओं की कमी को लेकर दायर एक याचिका पर गंभीर रुख अपनाया है. दिल्ली हाई कोर्ट ने अस्पताल प्रशासन से पूछा है कि जब यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रहीं तो उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा. दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस मनीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने आरएमएल अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को निर्देश दिया है कि वे एक हलफनामा दायर कर यह बताएं कि अस्पताल में न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग सुविधा क्यों बंद है और जरूरी दवाएं मरीजों को उपलब्ध क्यों नहीं कराई जा रही हैं. अब यह मामला 17 दिसंबर को फिर से सुना जाएगा. दिल्ली हाई कोर्ट में यह याचिका एनजीओ कुटुंब ने दायर की है. एनजीओ की ओर से पेश वकील ने दलील देते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरएमएल अस्पताल में पिछले एक साल से ब्लड टेस्टिंग मशीन खराब पड़ी है. यह टेस्ट खून में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी जैसी घातक बीमारियों का शुरुआती पता लगाने के लिए जरूरी है. वकील ने कहा कि नवंबर 2024 से यह मशीन काम नहीं कर रही, जिसके कारण अब सिर्फ साधारण सेरोलॉजी टेस्ट किए जा रहे हैं. इससे उन मरीजों को बड़ा खतरा है जिन्हें बार-बार खून चढ़ाने की जरूरत होती है, जैसे थैलेसीमिया के मरीज. याचिका में यह भी कहा गया कि अस्पताल में जरूरी दवाओं की भारी कमी है. गरीब मरीजों को दवाएं बाहर की दुकानों से महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे सरकारी अस्पताल होने का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है. दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी गरीब और जरूरतमंद मरीजों के साथ अन्याय है और इस पर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाने जरूरी हैं.

मेरी दिल्ली-मेरा देश कार्यक्रम में शामिल हुई सीएम रेखा गुप्ता, आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में शाम मेरी दिल्ली, मेरा देश नाम से एक भव्य सांस्कृतिक आयोजन हुआ. इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने एक साथ मंच साझा करते हुए एक भारत, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया. यह आयोजन 1 नवंबर को दिल्ली सहित कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों हरियाणा, केरल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप के स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया. कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी, कलाकार, विद्यार्थी और हजारों दर्शक मौजूद रहे. शाम को लाइट एंड साउंड शो, प्रोजेक्शन मैपिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और हेरिटेज वॉक ने पूरे माहौल को रोशनी, संगीत और देशभक्ति से भर दिया. पंजाब के भांगड़ा, केरल के मोहिनीअट्टम और कर्नाटक के यक्षगान जैसे पारंपरिक नृत्यों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. वहीं प्रसिद्ध गायक बी प्राक के लाइव कॉन्सर्ट ने समूचे लाल किले को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली केवल एक शहर नहीं, बल्कि संघर्ष, पुनर्निर्माण और आत्मबल का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि दिल्ली ने इतिहास में कई बार कठिनाइयां झेलीं लेकिन हर बार पहले से ज्यादा मजबूती के साथ खड़ी हुई. मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि अब हमें मिलकर दिल्ली को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है. हमें राजधानी से प्रेम करना होगा और गर्व से कहना होगा - 'मेरी दिल्ली, मेरा देश.' मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की ताकत उसकी विविधता में है. यहां हर राज्य, हर संस्कृति और हर भाषा के लोग रहते हैं, और यही इस शहर की असली पहचान है. उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य राजधानी को स्वच्छ, हरित, विकसित और सशक्त बनाना है. उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने शहर को साफ रखने, पेड़ लगाने और नियमों का पालन करने में भागीदारी निभाएं. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी एकता की भावना आज भी भारत की ताकत है. मुख्यमंत्री ने बताया कि अब दिल्ली में हर राज्य का राज्य दिवस पूरे जोश और भव्यता से मनाया जाएगा ताकि यह शहर मिनी इंडिया की पहचान को और मजबूत करे. शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि लाल किला न केवल स्वतंत्रता का प्रतीक है, बल्कि यह उन लाखों शरणार्थियों के आंसुओं और संघर्षों का भी गवाह है जिन्होंने विभाजन के बाद दिल्ली में नया जीवन पाया. पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मेरी दिल्ली, मेरा देश केवल एक नारा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और गर्व का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि हर नागरिक जब अपने हिस्से का योगदान देगा, तभी दिल्ली सचमुच देश की राजधानी होने के अर्थ को पूरा करेगी.

कर्नाटक में वोट चोरी के नए मामले उजागर!

अनिल जैन

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए 'वोट चोरी' का आरोप लगाया था। उन्होंने पहले कहा था कि लोकसभा चुनाव के दौरान बेंगलुरु की एक लोकसभा सीट के तहत आने वाली महादेवपुरा विधानसभा सीट पर गड़बड़ी हुई थी। बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उन्होंने अलंद विधानसभा सीट पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। इसके बाद कर्नाटक सरकार ने एक विशेष जांच टीम यानी एसआईटी बना कर जांच शुरू कराई। इस एसआईटी की जांच में पता चला है कि छह हजार से ज्यादा नाम काटने का जो आवेदन चुनाव आयोग की वेबसाइट पर डाला गया था उसके लिए प्रति व्यक्ति 80 रुपए का भुगतान किया गया था। हालांकि अभी एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है लेकिन उसे लेकर अब एक और खबर आई है। बताया जा रहा है कि महादेवपुरा और अलंद के अलावा कम से कम दो और विधानसभा सीटों पर मतदाता सूची से नाम काटने का प्रयास किया गया था। जांच टीम को पता चला है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले एक डाटा सेंटर से बहुत व्यवस्थित तरीके से दो और विधानसभा सीटों पर नाम काटने का आवेदन चुनाव आयोग की वेबसाइट पर डाला गया था। ये दोनों सीटें कलबुर्गी जिले में हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक कलबुर्गी शहर की सीट पर करीब 35 हजार वोट प्रभावित करने की कोशिश हुई थी, जिनमें ज्यादातर अल्पसंख्यक थे। दिलचस्प बात यह है कि डाटा सेंटर चलाने वाले दो अल्पसंख्यक ही हैं, जिनके खाते में कहीं से पैसे ट्रांसफर हुए हैं। दोनों से पूछताछ हुई है और उनके लैपटॉप जब्त कर लिए गए हैं।

विपक्षी राज्यों में चुनाव आयोग की चुनौती

चुनाव आयोग ने देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण में 12 राज्यों में एसआईआर कराया जाएगा, जिनमें वे पांच राज्य- पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी भी शामिल है, जहां अगले साल चुनाव होने वाले है। इसके लिए सारी तैयारी हो गई है और चुनाव आयोग ने तय किया है कि बिहार की तरह हर राज्य में अधिकतम तीन महीने में एसआईआर का काम पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन सभी राज्यों में बिहार जैसे हालात नहीं है। बिहार में एनडीए की सरकार है, जिसकी वजह से राज्य के प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने चुनाव आयोग के साथ पूरा सहयोग किया और निर्धारित अवधि में जैसे-तैसे एसआईआर का काम पूरा हो गया। लेकिन क्या विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों में ऐसा हो पाएगा? अगले साल जिन राज्यों में चुनाव होने वाले है उनमें से तीन राज्यों में विपक्षी पार्टियों की सरकार है। हालांकि इन सरकारों ने एसआईआर के लिए तैयारी कर ली है और अपने बूथ लेवल एजेंट्स को जरूरी निर्देश दिए हैं। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि राज्य प्रशासन और स्थानीय प्रशासन का बहुत सहयोग नहीं मिलेगा। बिहार में गड़बड़ी की जितनी खबरें आई थीं, उससे ज्यादा खबरें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल से आएंगी और चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठेंगे। कुल मिलाकर चुनाव आयोग की साख पर उठते सवालों की वजह से विपक्षी शासन वाले राज्यों में एसआईआर का काम आसान नहीं होगा।

भारत और अमेरिका की बातों में फिर विरोधाभास

पता नहीं ऐसा क्या हो गया है कि भारत और अमेरिका में किसी बात पर सहमति नहीं बन पा रही है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात हो रही है तो उसमें भी दोनों तरफ से अलग-अलग बातें कही जा रही है। भारत सरकार की ओर से दबी जुबान में अमेरिका की बात का खंडन किया जा रहा है। एक बार भी भारत ने दो टूक अंदाज में नहीं कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। सबसे ताजा मामला दिवाली की बधाई के लिए आए फोन का है। ट्रंप ने फोन करके मोदी को दिवाली की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया में कहा कि उनकी मोदी के साथ व्यापार, आतंकवाद और पाकिस्तान के साथ संबंध सुधार को लेकर बात हुई। दूसरी ओर मोदी ने सोशल मीडिया में जो पोस्ट डाली उसमें उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया। बाद में भारत की ओर से कहा गया कि पाकिस्तान को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बात नहीं हुई। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि मोदी ने भरोसा दिलाया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। इस पर भी भारत की ओर से कहा गया कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। हालांकि भारत ने ट्रंप की बात का खंडन नहीं किया। ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा था कि भारत में नियुक्त अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मोदी से मुलाकात की थी। पहले बयान के बाद ट्रंप चार बार यह बयान दे चुके है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। एक बार तो यह बात उन्होंने व्हाइट हाउस की दिवाली पार्टी में भी कही, जहां अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और बड़ी संख्या में भारतीय लोग मौजूद थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने यह कह कर सबको चौंकाया है कि दिल्ली अभी दूर है। उन्होंने एक कार्यक्रम में अचानक यह बात कही। अहम सवाल यही है कि क्या फड़णवीस ने यह बात अपने लिए कही है और यह संदेश दिया है कि वे दिल्ली के बारे में नहीं सोच रहे है और अगर सोच भी रहे थे तो उन्होंने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं? गौरतलब है कि संघ के सबसे चहेते फड़णवीस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारियों में गिना जाता है। अमित शाह के साथ योगी आदित्यनाथ और फड़णवीस की चर्चा होती है। माना जा रहा है कि फड़णवीस ने अपनी दावेदारी वापस ले ली है। हालांकि उनके करीबी लोगों का कहना है कि पहली बार फड़णवीस ने अपनी दावेदारी पेश की है। 'दिल्ली दूर है' कह कर उन्होंने बताया है कि वे दिल्ली की तैयारी कर रहे है लेकिन अभी दिल्ली दूर है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्होंने प्रदेश भाजपा के नेताओं और सहयोगी पार्टियों को भी यह संदेश दे दिया है कि वे मुंबई छोड़ कर अभी कहीं नहीं जा रहे है। गौरतलब है कि शिव सेना नेता एकनाथ शिंदे के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं है और शिंदे बार-बार दिल्ली की दौड़ लगाते रहते है। वे हाल में दिल्ली आकर प्रधानमंत्री मोदी से मिले। अमित शाह से भी उनकी मुलाकात नियमित होती है। इसीलिए कहा जा रहा है कि फड़णवीस ने उन्हें भी मैसेज दे दिया है कि वे भले ही कितनी बार दिल्ली जाएं, लेकिन अभी फड़णवीस दिल्ली नहीं जाने वाले है।

सबको याद आए सीताराम केसरी

बिहार में चुनाव है तो सबको सीताराम केसरी याद आ गए। कांग्रेस के दिवंगत नेता सीताराम केसरी की 24 अक्टूबर को 25वीं पुण्यतिथि थी। इस मौके पर कांग्रेस के पुराने मुख्यालय 24, अकबर रोड में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राहुल गांधी शामिल हुए। उधर उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में एक चुनावी सभा में कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि कांग्रेस ने सीताराम केसरी को अपमानित किया था। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने केसरी से अध्यक्ष पद छीन लिया था। सीताराम केसरी के बहाने मोदी ने कांग्रेस को पिछड़ा विरोधी भी बताया। सीताराम केसरी को गुजरे 25 साल हो गए है और इन 25 सालों में कभी भी कांग्रेस या भाजपा को उनकी याद नहीं आई। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में सबको केसरी याद आ रहे है, वैसे ही जैसे सबको कर्पूरी ठाकुर याद आ रहे है। असल में इस बार का बिहार चुनाव जाति गणना के बाद का पहला चुनाव है, जिसमें हर छोटी बड़ी जाति बहुत अहम हो गई है। छोटी बड़ी सारी जातियां अपनी आबादी के हिसाब से सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही है। इसमें भी सबसे ज्यादा लड़ाई अति पिछड़ी जातियों को लेकर है, जिन पर भाजपा का सबसे पहला दावा रहता है। इस बार कांग्रेस भी इस खेल में है। राहुल गांधी ने अति पिछड़ी जातियों के लिए अलग से घोषणापत्र जारी किया है। बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीताराम केसरी का कार्यकाल बहुत विवादास्पद रहा।

सम्पादकीय...

खेल बिहार का

जब प्रशांत किशोर ने एक टेलीविजन साक्षात्कार के दौरान यह आरोप लगाते हुए बीच में ही कुर्सी छोड़ दी कि साक्षात्कारकर्ता का एजेंडा है, तब उन्होंने न केवल असंयमित व्यवहार प्रदर्शित किया बल्कि स्वयं को घमंडी, असभ्य और असंवेदनशील भी सिद्ध किया। एक परिपक्व राजनीतिज्ञ से अपेक्षा की जाती है कि वह कठिन प्रश्नों का शांतिपूर्वक उत्तर दे किंतु किशोर उस क्षण एक बालक की भांति तुनक कर उठ खड़े हुए। स्पष्ट था कि अपने शैक्षणिक योग्यता पर उठे प्रश्नों से वे असहज और रक्षात्मक हो गए थे। साक्षात्कारकर्ता, पूर्णतः संयमित रहते हुए केवल यह प्रासंगिक सवाल पूछ रहे थे कि किशोर की वास्तविक शैक्षणिक पृष्ठभूमि क्या है। यह प्रसंग उस पृष्ठभूमि में हुआ जब किशोर ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राजद नेता तेजस्वी यादव की योग्यता पर तीखे प्रहार किए थे। विगत में वे कई बार तेजस्वी यादव को नौवीं फेल कहकर उपहास का पात्र बना चुके हैं और उनकी सीमित शैक्षणिक पृष्ठभूमि को राज्य के नेतृत्व के अयोग्य ठहराया है। सम्राट चौधरी को लेकर भी किशोर ने आरोप लगाया था कि उनकी पढ़ाई सातवीं कक्षा से आगे नहीं हुई। ऐसे में साक्षात्कारकर्ता का प्रश्न न तो असंगत था, न ही अनुचित बल्कि परिस्थितियों के अनुरूप और पूरी तरह वाजिब था परंतु इस बार परिस्थितियां उलट गईं। सवाल उन्हीं पर आ गया और किशोर का संयम जवाब दे गया। साक्षात्कार बीच में छोड़कर चले जाने का उनका निर्णय न केवल उन्हें असहज स्थिति में ले आया, बल्कि भाजपा नेता अमित मालवीय को यह दृश्य वायरल करने का सुनहरा अवसर भी दे गया। शिक्षा से जुड़ा प्रश्न शायद अंतिम चोट साबित हुआ। साक्षात्कार के दौरान जब पत्रकार ने आगामी विधानसभा चुनावों में प्रशांत किशोर के मैदान से बाहर रहने के निर्णय पर सवाल उठाया, तो वे स्पष्ट रूप से असहज दिखाई दिए। किशोर ने पूर्व में संकेत दिया था कि वे राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना चुनावी पदार्पण करेंगे लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने ही बयान से पलटी मारते हुए घोषणा की कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। जानकारी के लिए बता दें कि प्रशांत किशोर ब्राह्मण समुदाय से हैं, जबकि तेजस्वी यादव पिछड़े वर्ग से आते हैं। यह जातीय समीकरण आगामी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकता है लेकिन राजनीतिक अनुभव के लिहाज से तेजस्वी यादव का पलड़ा स्पष्ट रूप से भारी है। वह सीएम पद लिए फेस घोषित किए गए हैं। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के सबसे छोटे पुत्र तेजस्वी न केवल दो बार उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं, बल्कि उन्होंने राज्य की राजनीति में निरंतर सक्रियता से अपनी पकड़ मजबूत की है। इसके विपरीत, प्रशांत किशोर की राजनीतिक यात्रा की शुरूआत एक रणनीतिकार के रूप में हुई थी, पहले भाजपा के लिए और बाद में कांग्रेस तथा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के लिए। पिछले वर्ष उन्होंने जन सुराज पार्टी का गठन किया जो इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में मैदान में है। हालांकि यह कहना भी गलत होगा कि आगामी चुनाव तेजस्वी यादव या राजद के लिए किसी भी तरह से आसान होंगे। सबसे पहले, उनके माता-पिता के शासनकाल से जुड़ा जंगलराज और कानून-व्यवस्था का मुद्दा अब भी जनता की स्मृति में ताजा है। इसके साथ ही बिहार के तथाकथित पहले परिवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी उनका पीछा नहीं छोड़ते। याद दिला दें कि तेजस्वी के पिता लालू प्रसाद यादव सरकारी कोष से धन निकासी से जुड़े कई मामलों में दोषी ठहराए जा चुके है जिन्हें आमतौर पर चारा घोटाला कहा जाता है। लालू यादव इस मामले में जेल की सजा भी काट चुके हैं। पिछले महीने दिल्ली की एक अदालत ने एक अन्य घोटाले में उन पर आरोप तय किए। आरोप था कि रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव ने कुछ होटल मालिकों को अनुचित लाभ पहुंचाया और बदले में उनके सहयोगियों को औने-पौने दाम पर कीमती जमीन दी गई। लालू यादव के पापों का सारांश प्रस्तुत करते हुए भाजपा ने कहा यदि लालू प्रसाद यादव के पूरे कार्यकाल को तीन वाक्यों में समेटा जाए तो वे होंगे- चारा खाना, कोलतार पीना और सरकारी संपत्ति व ठेकों में हेराफेरी कर जमीन हथियाना। इसमें चौथा मॉडल भी जोड़ना चाहिए 'जमीन दो, नौकरी लो'। इस मॉडल की सबसे खास बात यह रही कि इसके सारे लाभ केवल परिवार तक सीमित रहे, बाहरी किसी को नहीं मिले। भाजपा का यह अंतिम तंज सीधे तेजस्वी यादव के उस चुनावी वादे पर निशाना था जिसमें उन्होंने संविदा कर्मियों को नियमित करने और प्रत्येक परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया था। इन सबके बीच, महागठबंधन (एमजीबी) के भीतर मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भी असमंजस बना हुआ है। कांग्रेस ने शुरू में तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने में हिचक दिखाई। वहीं, सीट-बंटवारे को लेकर भी मतभेद उभरे- कुछ सीटों पर राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने है, जिसे कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने मित्रवत मुकाबला करार दिया। इंडिया नामक इस विपक्षी मोर्चे में 26 दल शामिल हुए थे जिनमें समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और वाम दल प्रमुख थे। इस गठबंधन की ताकत का प्रमाण उसके चुनावी प्रदर्शन में स्पष्ट दिखा उसने 234 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई, बावजूद इसके कि उसने अबकी बार 400 पार के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरकर बहुमत से भी अधिक का लक्ष्य रखा था। हालांकि राजनीतिक क्षेत्र में जगह बनाना एक बात है और उसे बनाए रखना तथा उस पर आगे निर्माण करना दूसरी। पहले मोर्चे पर इंडिया गठबंधन ने प्रशंसनीय प्रदर्शन किया किंतु दूसरे पर वह बुरी तरह फिसल गया। समय के साथ दरारें उभरने लगीं और यह गठबंधन उतनी ही तेजी से बिखर गया, जितनी तेजी से बना था। आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और जनता दल (यू) ने अलग राह पकड़ ली। भीतरखाने मतभेद उभरे, सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निष्क्रिय रहने और क्षेत्रीय दलों को हाशिए पर धकेलने के आरोप लगाए। भाजपा के लिए जो एकजुट विपक्ष की चुनौती एक समय 'खतरे की घंटी' बन रही थी, वह अब क्षीण हो चुकी है। इसलिए यदि इंडिया गठबंधन के विघटन के लिए किसी एक दल को जिम्मेदार ठहराया जाए तो वह कांग्रेस अर्थात राहुल गांधी ही हैं। सहयोगी दलों ने कांग्रेस को खराब सहयोगी बताया है जो उनके बिना चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। समान रूप से यह भी सत्य है कि कांग्रेस ने वह लाभ स्वयं खो दिया जो उसे राहुल गांधी की 14 दिवसीय वोटर अधिकार यात्रा से मिला था जो बिहार के 25 जिलों और 100 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी थी। सो प्रकार वोट चोरी अभियान में भी सत्ताधारी दल की संभावनाओं को कमजोर करने की क्षमता थी किंतु कांग्रेस नेतृत्व की अनिर्णयता और ढुलमुल रवैये के चलते यह अभियान अपेक्षाओं से बहुत नीचे रह गया। अंततः वही पुरानी उक्ति एक बार फिर सत्य प्रतीत होती है कांग्रेस का सबसे बड़ा दुश्मन विपक्ष नहीं, बल्कि स्वयं कांग्रेस है।

'एनडीए' का घोषणा पत्र

बिहार विधानसभा चुनावों के प्रथम चरण के मतदान में अब चार दिन का ही समय शेष रह गया है और राजनैतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों को जारी कर दिया है। श्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महा-गठबन्धन ने चार दिन पहले ही 'तेजस्वी प्रण' के रूप में अपने घोषणा पत्र को प्रकाशित किया था। बीते कल को सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन या एनडीए ने भी अपने घोषणा पत्र को 'संकल्प पत्र' के रूप में जारी किया। एनडीए का घोषणा पत्र आनन-फानन में कल पटना में जारी हुआ। लोकतन्त्र में घोषणा पत्र का बहुत महत्व होता है क्योंकि इसमें नीतिगत ऐलान होते हैं। गौर से देखा जाये तो पिछले डेढ़ दशक से इन घोषणा पत्रों का कलेवर बदल रहा है और नीतियों के स्थान पर कार्यक्रम या लोक-लुभावन वादे ज्यादा जगह ले रहे हैं। राजनैतिक दल इनमें 'आसमान से तारे तोड़कर' जमीन पर उतारने की घोषणाएं कर रहे हैं। लोकतन्त्र का वैसे यह सिद्धान्त होता है कि इसमें नागरिकों को जो कुछ भी मिलता है वह उनके अधिकार के रूप में कानूनी तौर पर मिलता है। मगर पिछले डेढ़ दशक से मतदाताओं को रिझाने के लिए राजनैतिक दल ऐसे नकद वादे ज्यादा करते दिखाई दे रहे हैं जिन्हें 'रेवड़ी' कहा जाता है। उत्तर भारत में इसकी शुरुआत राजधानी दिल्ली से आम आदमी पार्टी ने की थी। बेशक दक्षिण भारत में यह बीमारी बहुत पहले से ही थी मगर उत्तर भारत में इस बीमारी ने धीरे-धीरे अन्य राजनैतिक दलों को भी जकड़ लिया। इसके विस्तार में जाने का आज सही समय नहीं है। सैद्धान्तिक रूप से इतना ही कहा जा सकता है कि रेवड़ी बांटने की बीमारी नागरिक को अनुत्पादक बनाती है और उसके पुरुषार्थ पर विपरीत प्रभाव डालती है। भारत के गांवों में यह कहावत आज भी प्रचलित है कि 'माले-मुफ्त , दिले-बेरहम'। कोई भी देश तभी तरक्की कर सकता है जब इसकी अर्थव्यवस्था में प्रत्येक नागरिक की उसकी काबलियत के अनुसार सक्रिय भागीदारी हो। लोकतन्त्र इस सूरत में ही लोक कल्याणकारी राज की तरफ बढ़ता है। मगर राजनैतिक दलों ने इस सिद्धान्त के विपरीत जो रुख अपना रखा है उससे नागरिकों में अकर्मण्यता का भाव ही जगता है। बेशक लोक कल्याणकारी राज में इस बात का दायित्व राजनैतिक दलों पर ही होता है कि सत्ता मिलने पर वे समाज के गरीब तबके के लोगों को उत्पादक बनाने हेतु उन्हें आर्थिक मदद दें। मगर यह मदद खैरात के रूप में न होकर गरीबों को अधिकार के रूप में मिले। इस मामले में एनडीए के घोषणा पत्र में कुछ ठोस कार्यक्रम पेश किये गये हैं। गरीब वर्ग की महिलाओं को अपना रोजगार शुरू करने के लिए उधार रूप में दो लाख रु. की किश्तों में मदद का वादा इसका उदाहरण है जबकि विपक्षी गठबन्धन का प्रत्येक बिहारी परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा भी इसी तरफ कदम माना जा सकता है। बिहार में कुल दो करोड़ 76 लाख परिवार हैं जिनमें से 25 लाख के लगभग परिवारों के पास पहले से ही नौकरियां हैं। तेजस्वी के घोषणा पत्र के बारे में मैं चार दिन पहले ही लिख चुका हूं अतः एनडीए के जारी घोषणा पत्र की मीमांसा इसी रोशनी में की जानी चाहिए। एनडीए ने भी एक करोड़ नौकरी देने का वादा किया है। बिहार में इसकी कमान मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार के हाथ में है क्योंकि उनके ही नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि बिहार में कम से कम एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जायेगा। बिहार में अति पिछड़े वर्ग की जनसंख्या 36 प्रतिशत के करीब है। अतः इस वर्ग के लोगों को अधिकाधिक व्यवसायी बनाने के लिए सरकार दस लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करेगी। एनडीए वादा कर रहा है कि बिहार के हर गरीब परिवार के बच्चे को मुफ्त शिक्षा प्राथमिक स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर की पढ़ाई तक के लिए मुहैया कराई जायेगी। इसके साथ ही हर दलित छात्र को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दो हजार रु. मासिक की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। एनडीए वादा कर रहा है कि किसानों की आर्थिक आय बढ़ाने की गरज से वह प्रत्येक छोटे किसान को तीन हजार रु. वार्षिक की मदद करेगा जो केवल तीन वर्षों के लिए होगी। यह मदद कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि के खाते तले दी जायेगी। प्रत्येक गरीब परिवार को 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जायेगी और पांच लाख रुपए तक की चिकित्सा सुविधा हर परिवार के लिए उपलब्ध रहेगी। आटो रिक्शा व टैक्सी ड्राइवरों का चार लाख तक का बीमा कराया जायेगा। एनडीए वादा कर रहा है कि नये पटना शहर के साथ ही अन्य उपनगरों को भी ग्रीन फील्ड सिटी का दर्जा दिया जायेगा। बिहार में सात एक्सप्रेस हाईवे बनाये जाएंगे और 3600 कि.मी. लम्बे रेल मार्ग का आधुनिकीकरण किया जायेगा। निश्चित रूप से यह नीतिगत घोषणा है। इसके अलावा बिहार में चार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे विकसित किये जायेंगे जो पटना, दरभंगा, पूर्णिया व भागलपुर होंगे। नीतीश सरकार वादा कर रही है कि बिहार के हर जिले में एक उत्पादन इकाई या कारखाना लगाया जाएगा और साथ ही दस नये औद्योगिक पार्कों को विकसित किया जायेगा। नीतीश कुमार की सरकार यह भी वादा कर रही है कि वह राज्य में 50 लाख करोड़ रु. का नया निवेश लायेगी। बिहार के मिथिलांचल में एक नया आध्यात्मिक नगर सीतापुरम विकसित किया जायेगा। बिहार में जैन व बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों की भरमार है अतः इन्हें आपस में जोड़ने व धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इनके कारीडोर बनाये जायेंगे। इसके अलावा गंगा व रामायण सर्किट भी विकसित किये जायेंगे। मोटे तौर पर हम कह सकते हैं कि एनडीए बिहार को विशिष्ट बनाने के वादे कर रहा है। मगर बिहार एक गरीब राज्य है जिसका कुछ वार्षिक बजट तीन लाख करोड़ रु. से कुछ ऊपर का है। अतः सरकार को अतिरिक्त राजस्व जुटाने के उपाय भी करने होंगे। एनडीए वादा कर रहा है कि राज्य में एक फिल्म सिटी का भी निर्माण किया जायेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक लाख होम स्टेज बनाये जायेंगे जिन्हें सरकार जोखिम रहित ऋण प्रदान करेगी। कुल मिलाकर एनडीए ने अपने घोषणा पत्र को तेजस्वी प्रण से बेहतर बनाने का प्रयास किया है। मगर यह नहीं बताया कि पिछले पांच साल में उसने पुराने घोषणा पत्र के कितने वादे पूरे किये।

बौद्ध धर्म गुरु भदंत ज्ञानेश्वर का महा प्रयाण

- 90 वर्षीय भदंत ज्ञानेश्वर पिछले कुछ दिनों से चल रहे थे बीमार, लखनऊ के निजी अस्पताल मे शुक्रवार को ली अंतिम सास
- विभिन्न दलो के जनप्रतिनिधियों और प्रमुख संगठनो ने जताया शोक।

सक्षम भारत संवाददाता

कुशीनगर। बौद्ध धर्म के प्रमुख गुरु भिक्षु संघ के अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदन्त एबी ज्ञानेश्वर महास्थवीर का शुक्रवार को तड़के लखनऊ के एक निजी अस्पताल में महाप्रयाण हो गया। 90 वर्षीय भदंत ज्ञानेश्वर पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। इनके महाप्रयाण पर विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों व जनप्रतिनिधियों ने

श्रद्धांजलि अर्पित किया है। यहां तक कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी शोक जताया है।

बता दें कि भंते एबी ज्ञानेश्वर का जन्म 1936 में वर्मा में हुआ था। वे सन 1963 में भारत आये। सन 1977 में उन्होंने भारतीय नागरिकता ग्रहण की। वर्ष 2021 में उन्हें म्यामांर सरकार ने अपने देश के सर्वोच्च धार्मिक सम्मान' 'अभिध्वजा महारथा गुरु' की उपाधि से सम्मानित किया था। वे म्यांमार के सर्वोच्च धार्मिक सम्मान से विभूषित होने वाले पहले भारतीय थे। उनके निधन से कुशीनगर स्थित देश विदेश के सभी बौद्ध विहारों के साथ ही कुशीनगर में शोक की लहर है। भारत तिब्बत समन्वय संघ की कुशीनगर इकाई ने बौद्ध धर्म के प्रमुख गुरु और भिक्खु संघ के अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदन्त एबी ज्ञानेश्वर महास्थवीर के महाप्रयाण पर गहरा शोक व्यक्त जताया है।

शोक व्यक्त करने वालों में केंद्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पूर्व विधायक रजनीकांत मणि ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला विभाग डा ममता मणि, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रभाकर पांडेय, जिला संयोजक विजय पांडेय, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रबुद्ध प्रभाग डा सुनीता पांडेय, जिला महामंत्री महिला विभाग डा मनीषा सिंह, जिलाध्यक्ष मूल विभाग संजय शुक्ल , शैलेंद्र दत्त शुक्ल, डा कालिंदी त्रिपाठी आदि प्रमुख हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/570, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN[illegible])

दीप प्रज्वलित कर डॉ संजय निषाद द्वार कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

*दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय श्री सुदिष्ट ब्रह्म बाबा महाराज का वार्षिक पूजन समारोह प्ररम्भ

मेजा, प्रयागराज।

मेजा क्षेत्र के उरुवा विकास खण्ड अंतर्गत परानीपुर स्थित श्रीसुदिष्ट ब्रह्म बबा महाराज पूर्वी परेड ग्राउंड में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्य वार्षिक पूजन समारोह का आयोजन प्रारंभ किया गया।

आयोजन का शुभारंभ निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साथ में रहे भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक सुशील मिश्रा पप्पू गौतम मनीष पांडे अवनीश द्विवेदी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे। उरूवा वार्ड संख्या 71 से जिला पंचायत प्रत्याशी प्रवीण शुक्ल ने सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।श्री सुदिष्ट ब्रह्म बाबा महाराज के वार्षिक पूजन समारोह का आयोजन निषाद पार्टी के राष्ट्रीय सचिव संजय शुक्ला द्वारा किया जा रहा है।

क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजन समिति ओम श्री सुदिष्ट ब्रह्म ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं निषाद राज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवम्बर, 2025 (रविवार) को अखण्ड श्री हरि कीर्तन प्रारंभ से होगा।कीर्तन का समापन 3 नवम्बर की सुबह किया जाएगा। इसके बाद श्रीराम चरित मानस पाठ की शुरुआत होगी जो 5 नवम्बर तक चलेगा। मुख्य आकर्षण के रूप में 5 नवम्बर को दोपहर 1 बजे से ब्रह्म महा प्रसाद वितरण होगा, जिसमें दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु भाग लेंगे। भजन मंडली में खुशी पाण्डेय (भदोही), ज्योति पटेल (चित्रकूट), सपना शर्मा (भदोही),आनंद परासर (वाराणसी) और पिंकेश दुबे (प्रयागराज) अपने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्रवीण कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी (वार्ड संख्या 71) ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया है कि वे परिवार सहित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर महाप्रसाद ग्रहण करें और पुण्य के भागीदार बनें।

....सिलसिला शीश देने का कभी भी रुक नहीं सकता

हिन्दी साहित्य संगम ने आयोजित की काव्य-गोष्ठी

मुरादाबाद।

साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य संगम की ओर से आज काव्य-गोष्ठी का आयोजन मिलन विहार स्थित सनातन धर्म मिलन धर्मशाला में किया गया। रवि चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से आरंभ हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता रामदत्त द्विवेदी ने की। मुख्य अतिथि अशोक विश्नोई एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ओंकार सिंह ओंकार और रघुराज सिंह निश्चल मंचासीन हुए। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महासचिव जितेन्द्र कुमार जौली द्वारा किया गया। उपस्थित कवियों ने विभिन्न सामाजिक विषयों को आधार बनाकर अपनी काव्यात्मक अभिव्यक्ति की।रचना पाठ करते हुए राजीव प्रखर ने सुनाया- जर्जर काया फिर भी बाँटे, सबको अपना प्यार-दुलार।तुलसी सूखी घर-आँगन की, मानो अम्मा हो बीमार। जितेन्द्र कुमार जौली ने सुनाया -बी एड की कक्षा में गुरु जी ने किया सवाल। दर्शन की परिभाषा सुनाओ बेटा रामलाल। रामलाल बोला जब कोई लड़का शादी के लिए लड़की देखने जाता है। तो यह कार्यक्रम दर्शन कहलाता है।। योगेन्द्र वर्मा व्योम- पुष्प ने तो नित्य भँवरों को लुभाया प्यार अपना तितलियों ने भी लुटाया कल्पना थी, तूलिका थी, रंग भी थे खुशबुओं का चित्र फिर भी बन न पाया। डॉ. चिरंजी लाल चंचल ने सुनाया-करें कोशिश भले जुगनू, सितारे हो नहीं सकते।। सहारा ढूंढने वाले, सहारे हो नहीं सकते।। प्रशान्त मिश्र ने हास्य कविता समोसे की तोंद प्रस्तुत करते हुए कहा- फूली तोंद प्रशासन की कर्मठता पर बड़ा सवाल है। अशोक विश्नोई- समस्या अब कैसे हो हल, सोचकर बीते जाते पल। जहाँ ठहरा डर लगता है, बिछी बारूद सम्भल कर चल।। रामदत्त द्विवेदी ने सुनाया- भूत में जो गया बीत वह घटनाक्रम, याद करने से कुछ नहीं फायदा। ओंकार सिंह ओंकार ने सुनाया- माँ गंगा के पावन तट पर, मेरिट लगता भारी है। गंगा नहाने को लोगों ने, छोड़ी दुनियादारी है। रघुराज सिंह निश्चल ने सुनाया- भला सभी का करते रहिए। फूलों जैसे खिलते रहिए। नकुल त्यागी ने सुनाया- जगमग-जगमग दीप जलें दीवाली आयी। मार दशानन राम, लखन संग अवध जानकी आयी। रवि चतुर्वेदी ने सुनाया-कर दिए मातृभूमि का, कदापि चुक नहीं सकता। सिलसिला शीश देने का, कभी भी रुक नहीं सकता।। सुने सब देश के दुश्मन, यही सौगंध अपनी है। तिरंगा देश का अपना, कभी भी झुक नहीं सकता। जितेन्द्र कुमार जौली द्वारा आभार अभिव्यक्ति के साथ कार्यक्रम समापन पर पहुँचा।

जनता से रूबरू हुए कुन्दरकी विधायक रामवीर सिंह

मुरादाबाद।

कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने आज कुंदरकी विधानसभा के ग्रामों अब्दुल्लापुर, बहापुर, मझरा बहापुर, मिलक बहापुर, मंसूरपुर, फरेदी, जेतिया फिरोजपुर और इंधनपुर नगला का भ्रमण किया। विधायक कुंदरकी ने ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु निर्देशित किया। ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा वे जनता की सेवा और सरकार की मंशा के अनुसार काम करने के लिये ही विधायक बने हैं। जनता की समस्याओं का निराकरण कराने के लिए विधायक आपके द्वार कार्यक्रम शुरू किया हूं। मैं गरीब किसान और मजदूर का प्रतिनिधि हूं। ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास करूंगा। पिछले एक साल से आपको केंद्र और रा'य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लाभ भी मिल रहा है। मैने सभी कार्यकर्ताओं को आप लोगों के योजनाओं में नामांकन में लगा रखा है, और संबंधित अधिकारी को पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ के लिए निर्देशित कर रखा है। विधानसभा के सर्वोत्तम विकास का जो संकल्प आप सभी के सहयोग से मेने लिया था, उसकी प्राप्ति के लिए पूर्ण मनोयोग से लगा हुआ हूं। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, बृजेश लोधी, 'योति वाल्मीकि, विजेंद्र चौधरी, नसीम पाशा, ग्राम प्रधान जुनैद, अजीम मलिक, जाहिद अली , साजिद अली, गोपेश शर्मा, विजय ठाकुर, शाकिर अली, राकेश कश्यप , मुकेश ठाकुर इरशाद खान ,रोहित चंद्रा, डोरीलाल प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

हरे पेड़ पौधे जीवन का आधार, इनके बिना जीवन निराधार

मुरादाबाद।

प्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट रजि. मुरादाबाद के तत्वाधान में संस्था के पंचम स्थापना दिवस के अवसर पर शुभांकर सिंह की प्रेरणा से लोदीपुर में स्थित के छत्र आर्गेनिक फार्म पर औषधीय पौधे सहजन के 20 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. देवेंद्र जटराना ने कहा हमे किसी भी अवसर पर पौधरोपण करना एक बहुत अ'छी पहल है।

हम सभी को पौधरोपण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। युवा उद्यमी समाजसेवी शुभांकर सिंह ने कहा कि पौधे लगाने के लिए हमें अवसर तलाशने चाहिए। क्योंकि पौधे हमारे जीवन के लाभकारी हैप्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि कहा कि पौधे मानव जीवन का आधार होते है पौधे के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। अपने शुभ अवसरों पर पौधारोपण अवश्य करें

ताकि पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकें। समिति के कोषाध्यक्ष शुभम कश्यप ने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण ही मानवता को बाढ़, भूकंप और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं झेलनी पड़ रही हैं। पिछले कुछ दशकों में वनों की अंधाधुंध कटाई हुई है। जिससे वन क्षेत्र में काफी कमी आई है। भावी पीढ़ियों को स्व'छ और स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण में सहयोग करना चाहिए। एनवायरनमेंट एक्टिविस्ट हरवेंद्र सिंह ने कहा हरे पेड़ पौधे जीवन का आधार है इनके बिना जीवन निराधार है अतः सुरक्षित जीवन के लिए जल ,वायु ,जंगल, जमीन, जंतु संरक्षण और संवर्धन अवश्य करें। जिसके लिए प्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट मुरादाबाद आप सभी के निरंतर सहयोग से सतत् प्रयासरत है। बताते चले कि आगामी समय में प्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट मुरादाबाद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रकृति को समर्पित राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित होने जा रहा है इसमें देश भर के चुनिंदा पद्मश्री विभूषित महान विभूतियां भी मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहेंगी और प्रकृति को समर्पित राष्ट्रीय सेमिनार में देश भर के जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पर्यावरण प्रेमियों योद्धाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। जिसकी सूचना बहुत जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी देवेंद्र सिंह जटराना, युवा समाजसेवी शुभांकर सिंह, संस्था के उपाध्यक्ष यशपाल सिंह, कोषाध्यक्ष युवा पर्यावरण चिंतक शुभम कश्यप , सदस्य एनवायरनमेंट एक्टिविस्ट हरवेंद्र पाल , सदस्य राजू सिंह ,प्रियंका, हर्ष पाल, यशोदा, रिंकी, खुर्शीद अली, अफ्सर अली सहित अन्य स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

जनता के बीच पहुंचे शहर विधायक, सुनी समस्याएं

मुरादाबाद।

नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोविंद नगर वार्ड संख्या-12 में आयोजित जनता जार्दन दरबार कार्यक्रम में नगर विधायक रितेश गुप्ता ने क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र की जनता से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना मेरी प्राथमिकता है। जनता की सेवा में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। जो भी निर्णय जनता के बीच से आएगा, वही मेरे लिए सर्वोपरि और मान्य होगा।उन्होंने बताया कि आज लगाए गए शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा। कुछ नागरिकों ने पुलिस संबंधित शिकायतें भी प्रस्तुत कीं, जिन पर विधायक ने तत्काल उ'च अधिकारियों से वार्ता कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। विधायक ने

कहा किआप सब लोग मेरे परिवार का हिस्सा हैं। आपकी परेशानी मेरी अपनी परेशानी है। यदि किसी को कोई भी समस्या हो तो बेझिझक मुझसे सीधे संपर्क करें। मैं सदैव आपके साथ हूँ।नगर विधायक के मीडिया प्रभारी विपिन गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग पहुँचे और सड़क, बिजली, आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, तथा मुख्यमंत्री आवास योजना सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं रखीं। विधायक ने सभी शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कार्यक्रम में पार्षद प्रशांत गजेन्द्र लोधी, मंगलसेन राजपूत, ऋषि भारद्वाज, गीतू प्रजापति, हरीश प्रजापति, वेदप्रकाश शर्मा, विजेन्द्र त्यागी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भगवान श्रीहरि चातुर्मास में बलि महाराज को आतिथ्य में रहते हैं: अर्द्धमौनी

मुरादाबाद। हरिधाम, सरस्वती विहार, गोविन्द नगर में आयोजित देव उत्थान एकादशी महोत्सव में आचार्य धीरशान्त अर्द्धमौनी ने बताया कि भगवान श्रीहरि चातुर्मास में महाराज बलि के विशेष अतिथि बनकर पाताल लोक में रहते है। जिसे लोग विभिन्न रुपों में परिभाषित करते हैं जैसे कि देवता सो गए हैं, शुक डूबा हुआ है, तारा अस्त है। वास्तविकता यह है कि वामन अवतार लीला में भगवान श्रीहरि की सर्वो'च सेवा जिसे बलिहार अर्थात बलि ने अपना सबकुछ भगवान को अर्पित करते हुए उनका चरण अपने मस्तिष्क पर धारण किया। तभी से भगवान महाराज बलि के पाताल लोक में चातुर्मास का प्रवास करने लगे। चौदह लोकों के स्वामी है भगवान श्रीहरि उनके ऊपर वैकुण्ठ लोक में स्वयं भगवान श्रीहरि अपने पार्षदों के साथ नित्य लीला प्रविष्ट रहते है। नित्य प्रेमपूर्वक श्रीभगवान का स्मरण करने से सदा शुभ शकुन होंगे, सब प्रकार से मंगल होगा और आदि मध्य तथा परिणाम में सब कल्याण होगा। भगवान दामोदर आपके उदर को बाँधने वाली दीप्तिमान रस्सी को प्रणाम करते हैं, आपकी प्रियतमा श्रीमती राधारानी के चरणों और अनंत लीलायें करने वाले आप परमेश्वर को हमारा प्रणाम है। शांत जीवन की सुंदरता भागदौड़ से दूर, जब जीवन धीमी चाल से चलता है, तो हर पल का स्वाद महसूस होता है। शांति में ही असली सुख और सृजन बसते हैं। जहाँ कम शब्द, कम चाहतें और ज़्यादा सुकून हो वहीं जीवन सच में सुंदर होता है। जहाँ हरिभक्ति एवं सेवा में आनंद है मन को ठहराव वहीं मिलता है, जब आत्मा जल जैसी शान्त हो जाए।जहाँ विचार नहीं, संतुलन बहता है। शांति कोई स्थान नहीं, वो भीतर की अवस्था है जिस दिन मन स्थिर हो गया,उसी दिन जीवन सुंदर हो गया। देवउठनी एकादशी वह दिन है जब भगवान विष्णु चार महीने के विश्राम के बाद जागते हैं और चतुर्मास नामक काल का अंत करते हैं। इस दिन से, विवाह, अनुष्ठान और नई शुरुआत जैसे सभी शुभ कार्य फिर से शुरू हो जाते हैं। जिस प्रकार ईश्वर जागृत होते हैं, उसी प्रकार हमें भी अपने विराम से उठकर कार्य करना होगा, आगे बढ़ना होगा और अपने उद्देश्य के साथ पुनः जुड़ना होगा। आयोजन में पंकज सिंह हरिदास, नीतू सिंह, रन्जीत सिंह, सोनी सिंह, सचिन सिंह, मोनिका सिंह, सुनील कुमार, मीनाक्षी सिंह, शुभम, कंचन, रानू, शिवी, अनूप, खुशबू , शिवम कश्यप, अमीषा हरिदासी, अनुष्का राधा दासी, आराध्या, विभू, राध्या, कृष्णा, ध्रुव कश्यप, विनायक, विराट आदि ने सहयोग दिया।

इंद्रलोक से कश्मीरी गेट तक बढ़ेगा मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर, चार किलोमीटर बनेगी लंबी टनल

नई दिल्ली। मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर को इंद्रलोक से कश्मीरी गेट तक बढ़ाया जाएगा। इसके लिए चार किलोमीटर लंबी टनल बनेगी। इससे पहले योजना थी कि बवाना से इंद्रलोक तक 20 किलोमीटर लंबा सिग्नल फ्री एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाए लेकिन अब इस योजना को चार किमी का विस्तार दिया गया है। इससे कश्मीरी गेट के आसपास ही नहीं बल्कि मध्य दिल्ली में जाम की समस्या खत्म होगी। साथ ही, जिन वाहनों को हरियाणा की तरफ जाना होगा उन्हें सिग्नल फ्री कॉरिडोर की सुविधा मिलेगी। यह योजना दिल्ली सरकार की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत शहर के सड़क ढांचे को आधुनिक और टिकाऊ बनाया जा रहा है। मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से लेकर मध्य दिल्ली तक सिग्नल-फ्री और तेज रफ्तार सफर मुहैया कराएगा। यह परियोजना पूरी होने के बाद सोनीपत, रोहतक और मुरथल से आने वाले वाहनों को सीधे मध्य दिल्ली तक पहुंचने का वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। अभी मुकरबा चौक, आजादपुर, रोशनारा रोड और बुराड़ी क्षेत्र में घंटों जाम लगता है लेकिन एलिवेटेड कॉरिडोर और सुरंग के संयोजन से यह

समस्या खत्म होगी। परियोजना पूरी होने के बाद हरियाणा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक का सफर करीब 40फीसदी तक कम समय में पूरा होगा। चार किमी लंबी टनल इंद्रलोक से आईएसबीटी कश्मीरी गेट को सीधे जोड़ेगी। इससे दिल्ली मेट्रो स्टेशन, बस टर्मिनल और रेलवे स्टेशन के पास वाहनों का दबाव कम होगा। मार्ग के शुरू होने से नॉर्थ, नॉर्थ-वेस्ट और वेस्ट दिल्ली के हजारों लोगों को सीधा फायदा होगा जो रोजाना कश्मीरी गेट, सिविल लाइंस, आईटीओ या पुरानी दिल्ली की तरफ यात्रा करते हैं। मौजूदा समय में कश्मीरी गेट ट्रैफिक के लिहाज से काफी बड़ा हाटस्पॉट बन चुका है। यहां पर पांच अलग-अलग दिशाओं से ट्रैफिक की आवाजाही होती है। ऐसे में जाम आम बात है। पीडब्ल्यूडी ने इस योजना को दिल्ली की संपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसी के अनुरूप लागू करने के लिए अन्य विभागों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में इंजीनियरिंग डिजाइन, सुरंग निर्माण की तकनीकी योजना और मौजूदा एलिवेटेड नेटवर्क के साथ एकीकरण की रूपरेखा तय की जाएगी।

आरजेडी ने कांग्रेस से कनपट्टी पर कट्टा रख सीएम पद छीना- मोदी

आरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार में महागठबंधन में भारी अंदरूनी कलह है। उन्होंने दावा किया कि राजद ने कांग्रेस को बंदूक की नोक पर अपने नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। आरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस राजद नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनाना चाहती थी, लेकिन राजद ने कांग्रेस के कनपट्टी पर कट्टा रख कर सीएम पद चोरी कर लिया। मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस में ज़बरदस्त टकराव है।

पीएम बोले- जंगलराज में ज्यादा वेतन मतलब आरजेडी को ज्यादा रंगदारी

घोषणापत्र में कांग्रेस की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया... चुनाव से पहले इनके बीच इतनी नफ़रत है, और चुनाव के बाद तो ये एक-दूसरे के खिलाफ ही हो जाएंगे। इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर राजद बिहार में जंगलराज और तुष्टिकरण की राजनीति लेकर आया, तो कांग्रेस की पहचान सिखों के नरसंहार से जुड़ी है। यह 1 और 2 नवंबर 1984 की बात है। आज भी 2 नवंबर है। कांग्रेस पार्टी के लोगों ने 1 और 2 नवंबर 1984 को दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में सिख नरसंहार को अंजाम दिया था। आज भी कांग्रेस अपनी पार्टी में सिख नरसंहार के दोषियों को पूरे सम्मान के साथ नए पद दे रही है। उन्हें बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस हो या राजद, उन्हें अपने पापों का कोई पछतावा नहीं है। आरा में मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि बिहार के युवा बिहार में काम करें और राज्य को गौरवान्वित करें। बिहार जल्द ही पूर्वी भारत में कपड़ा और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जो दिल्ली में बैठकर अटकलें लगा रहे हैं, उन्हें बिहार आकर लहर देखनी चाहिए। कोई भी सरकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 नहीं हटा सकी थी, लेकिन मैंने गारंटी दी और यह कर दिखाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में धमाके हो रहे थे, लेकिन कांग्रेस के शाही परिवार की नींदें यहां उड़ी हुई थीं। बिहार में महागठबंधन में भारी अंतर्कलह है, बंदूक दिखाकर राजद के नेता को मुख्यमंत्री उम्मीदवार चुना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राजद-कांग्रेस के नेता हमारी आस्था का अनादर करने में माहिर हैं। राजद के नेताओं ने प्रयाग कुंभ मेले को फालतू कहा। कांग्रेस के एक नामदार ने कहा कि छठ महापर्व एक नाटक है। बिहार हमारी आस्था का अनादर करने वालों को कभी माफ नहीं करेगा... हमारी आस्था का अनादर करने वालों को बहुत कठोर सजा दी जानी चाहिए ताकि कोई फिर से छठ महापर्व का अपमान करने की हिम्मत न कर सके...।

अब मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार चलेगा, बेगूसराय में बोले राहुल गांधी

बेगूसराय। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बेगूसराय में एक बड़ी चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अमिताभ भूषण के समर्थन में आयोजित की गई थी। सभा के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम बिहार में ऐसे विश्वविद्यालय बनाएंगे जहां दुनिया भर के छात्र पढ़ने आएंगे। नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से जीवंत किया जाएगा। अब मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, जिस दिन जनता को समझ में आ जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी और अडानी पार्टनर हैं, उस दिन खेल खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी ने आगे कहा कि एसआईआर बिहार में जितने वोट कटे गए, वे सभी महागठबंधन के वोट थे। इस जनसभा में राहुल गांधी के साथ वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो

मुकेश सहनी, आईआईपी पार्टी के नेता आई.पी. गुप्ता, वामदल, राजद और अन्य सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहे। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े उद्योगपतियों अंबानी और अडानी के रिमोट कंट्रोल से संचालित हो रहे हैं। राहुल गांधी ने यह आरोप बिहार के बेगूसराय जिले में आयोजित एक चुनावी जनसभा में लगाया। उन्होंने कहा, बड़ा सीना होना ताकत की निशानी नहीं है। महात्मा गांधी का शरीर दुबला-पतला था, लेकिन उन्होंने उस समय की सबसे बड़ी ताकत ब्रिटिश हुकूमत का मुकाबला किया था। उन्होंने आगे कहा, दूसरी ओर नरेंद्र मोदी हैं, जो 56 इंच के सीने की बात करते हैं, लेकिन जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ट्रंप ने फोन किया, तो उन्हें पैनिक अटैक आ गया। पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई दो दिन में खत्म हो गई। मोदी सिर्फ ट्रंप से नहीं डरते, बल्कि अंबानी-अडानी के रिमोट कंट्रोल पर भी चलते हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के सभी बड़े फैसले जैसे जीएसटी और नोटबंदी छोटे कारोबारियों को खत्म करने और बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए थे। राहुल गांधी ने कहा, हमारी सोच अलग है। हम छोटे व्यापारों को बढ़ावा देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आपके मोबाइल और टी-शर्ट से 'मेड इन चाइना' हटाकर 'मेड इन बिहार' लिखा जाए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर व्यंग्य करते हुए कहा, मोदी जी वोट पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्हें कहो योग करो, तो वे कुछ आसन भी कर लेंगे। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में 'इंडिया गठबंधन' को जनता का समर्थन मिला, तो वह ऐसी सरकार बनाएगी जो हर वर्ग के लिए काम करेगी, किसी जाति विशेष के लिए नहीं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं को रील्स देखने की सलाह दे रहे हैं ताकि वे बेरोजगारी और वास्तविक मुद्दों पर सवाल न पूछें।

सभा को संबोधित करने के अलावा तालाब में उतरकर उन्होंने मछली पकड़ने के गुर भी सीखे. राहुल गांधी के साथ वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी भी थे.

राहुल गांधी ने तालाब में लगाई छलांग, मछुआरों के साथ देसी अंदाज में पकड़ी मछली

बेगूसराय (बिहार)। विधानसभा चुनाव प्रचार को लेकर देश के बड़े नेताओं का बिहार आने का सिलसिला लगातार जारी है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को बेगूसराय पहुंचे, जहां सभा को संबोधित करने के अलावा तालाब में उतरकर उन्होंने मछली पकड़ने के गुर भी सीखे. राहुल गांधी के साथ वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी भी थे. इस दौरान मछली पकड़ने के साथ ही राहुल गांधी ने मछुआरा साथियों से बात भी की और उनके काम से जुड़ी चुनौतियों और संघर्षों पर चर्चा की. वहीं चुनावी सभा में राहुल गांधी ने केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बिहार के लोग दुनिया भर में आगे हैं लेकिन यहां पिछड़े हुए हैं. यहां की सरकार नहीं चाहती है कि बिहार के लोग आगे बढ़ें. वे यहां के लोगों की मदद नहीं करते. वे चाहते हैं कि यहां के लोग मजदूरी करते रहें. उन्होंने कहा कि दुबई जैसा शहर बिहार के लोगों ने बनाया है, लेकिन वे यहां कुछ नहीं कर पाते.

विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सीएम योगी बोले- मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार

लखनऊ। डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) का चौथा दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर बीए-एलएलबी ऑनर्स, एलएलएम वन इयर, पीजीडीसीएल, पीजीडीआईपीआर पाठ्यक्रमों के मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 21 पदक दिए गए। इस दौरान 309 उपाधियां सफल विद्यार्थियों को दी गईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर सुप्रीम के जस्टिस सूर्यकांत की मौजूदगी में मेधावियों ने न्याय की राह पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपाधियां अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत न्याय व्यवस्था ही सुशासन का आधार है। एक ऐसी व्यवस्था जिसमें किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को उसकी योग्यता के अनुसार मौके मिले। ये सुशासन का आधार है और मजबूत न्याय व्यवस्था इसे संभव बनाती है। इस मौके पर कुलपति डॉ.अमरपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मौके पर पारंपरिक पदकों के साथ विशेष स्मृति पदक भी दिए गए। इनमें कराधान विधि (टैक्सेशन लॉ), आपराधिक विधि (क्रिमिनल लॉ), संवैधानिक विधि में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया।

दुलारचंद हत्याकांड- अनंत सिंह को 14 दिन की जेल

पटना। जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए पूर्व विधायक और मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। शनिवार (1 नवंबर) देर रात हुई इस गिरफ्तारी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अनंत सिंह को उनके दो सहयोगियों, मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम के साथ हिरासत में ले लिया गया। तीनों को शनिवार को पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के समक्ष पेश किया गया,

जिसके बाद सिंह को दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी गिरफ्तारी 30 अक्टूबर को मोकामा में हुई हिंसक झड़प के बाद हुई है, जिसमें जन सुराज पार्टी के समर्थक 75 वर्षीय दुलारचंद यादव की मौत हो गई थी।

हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस, बिहार चुनाव शांतिपूर्ण होंगे सीईसी ज्ञानेश कुमार का मोकामा हत्याकांड पर कड़ा संदेश

नई दिल्ली।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग की हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। उन्होंने बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त किया कि सभी पुलिस अधिकारी, निर्वाचन अधिकारी और जिला परिषद के अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तत्पर हैं, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम करेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मैं सभी से अपील करता हूं कि वे चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। हिंसा के विषय पर, चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति

अपनाता है। हिंसा की कोई भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदाता शांतिपूर्वक मतदान कर सकें। हमारे 243 रिटर्निंग ऑफिसर, इतने ही पर्यवेक्षक, हर जिले के कलेक्टर, जिला अधिकारी, एसपी, एसएसपी, पुलिस पर्यवेक्षक, सभी तैयार हैं, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह टिप्पणी हाल ही में 30 अक्टूबर को मोकामा विधानसभा क्षेत्र में राजनेता दुलारचंद यादव की हत्या के बीच आई है, जब वह उस क्षेत्र से जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शिनी की रैली में मौजूद थे। हत्या के बाद, मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त अपने संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का दौरा करने कानपुर आए हैं, जहाँ संस्थान ने हाल ही में उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया है, जो उनके पूर्व छात्रों को उनकी असाधारण योग्यता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आज मैं एक पूर्व छात्र के रूप में आईआईटी कानपुर आया हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे सम्मानित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन के सबसे ऊर्जावान चार साल कानपुर शहर में बिताए हैं और मुझे इससे बहुत लगाव है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहाँ आने और आईआईटी कानपुर जाने का मौका मिला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पक्ष लेने के बार-बार लग रहे आरोपों के बीच, उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी ज़ोर दिया, क्योंकि यह चुनाव आयोग का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, यही वह समय है जब बिहार में चुनाव हो रहे हैं। बिहार चुनाव में, हर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट मांग रहा है। मैं एक बार फिर कहना चाहता हूँ कि चुनाव आयोग के लिए न तो कोई सत्ता पक्ष में है और न ही विपक्ष में, सभी तटस्थ हैं। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर को होगा, दूसरे चरण का चुनाव 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

तेजस्वी ने पीएम मोदी से पूछा, क्या आपको बिहार का महा जंगल राज नहीं दिखता?

पटना। राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने मोकामा हत्याकांड में जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद राज्य में महा जंगल राज होने का आरोप लगाया और पीएम पर बढ़ती अपराध दर को न देख पाने का दावा किया।

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी और भाजपा द्वारा राजद के पुराने शासनकाल को जंगल राज कहने का जवाब दिया। उन्होंने कहा, घटना (मोकामा हत्याकांड) के बाद ऐसा होना ही था। प्रधानमंत्री आज पटना आ रहे हैं। क्या उन्हें आरा, रोहतास में पिता-पुत्र की हत्या और आए दिन की गोलीबारी दिखाई नहीं देती? उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में महा जंगल राज की स्थिति पैदा कर दी गई है। राजद नेता ने विश्वास व्यक्त किया कि महागठबंधन 14 नवंबर को सरकार बनाएगा और 18 नवंबर को सत्ता संभालेगा। उन्होंने वादा किया कि 26 जनवरी तक बिहार के सभी अपराधी सलाखों के पीछे होंगे। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री पर रोजगार के मुद्दे को लेकर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया, वह गुजरात में कारखाने लगाते हैं और बिहार में जीत चाहते हैं। यह अब और नहीं चलेगा। तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी ने 11 सालों में एक भी नौकरी पैदा नहीं की और अब एक करोड़ नौकरी देने की बात कर रहे हैं, जो सिर्फ एक नौटंकी है। तेजस्वी का बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राजद पर जंगल राज चलाने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था, यह चुनाव यह तय करने का मौका है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपा जाए। एक तरफ वो लोग हैं, जिन्होंने जंगल राज की शुरुआत की। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी है, जिन्होंने विकास किया है। पिछले महीने, पीएम मोदी ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए, उन्हें भ्रष्टाचार के युवराज और झूठे वादों की दुकान चलाने वाले बताया था।

शिमला के नारकंडा के पास खाई में गिरी टेंपो ट्रैवलर, 29 लोग घायल, 17 आईजीएमसी रेफर

कुमारसैन। नारकंडा के पास शनिवार रात एक टेंपो ट्रैवलर खाई में गिर गई। ट्रैवलर में 32 लोग सवार थे। हादसे में 29 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 17 को आईजीएमसी रेफर कर दिया है। अन्य का उपचार कुमारसैन अस्पताल में चल रहा है। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। ट्रैवलर में सवार लोग रिकांगपिओ से नेपाल जा रहे थे। कुमारसैन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रैवलर चालक राजकुमार मामला दर्ज किया गया। बीएमओ कुमारसैन अंकुश ठाकुर ने बताया कि कुल 32 घायल अस्पताल लाया गया था। पुलिस ने आरोपी चालक के खून और पेशाब के सैंपल लिए हैं, ताकि पता चल सके कि चालक नशे में तो नहीं था। उधर, डीसी शिमला अनुपम कश्यप ने आईजीएमसी पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

सीएम स्टालिन का एलान- एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे; मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर विवाद गहराया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अध्यक्षता में रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में फैसला लिया गया कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जाएगा। इस बैठक के बाद स्टालिन ने बताया कि चुनाव आयोग से यह अनुरोध किया गया था कि तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद कराया जाए, ताकि संशोधन की प्रक्रिया बिना भ्रम और संदेह के पूरी हो सके। लेकिन आयोग ने यह मांग ठुकरा दी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, चुनाव आयोग ने हमारी यह मांग स्वीकार नहीं की कि विशेष पुनरीक्षण 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद किया जाए। इसलिए आज की सर्वदलीय बैठक में हमने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी।

तमिलनाडु में अगला विधानसभा चुनाव तय कार्यक्रम के अनुसार अप्रैल 2026 में होना है। इस बैठक में कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, कई दलों ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की मौजूदा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे नामों में गड़बड़ी और भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। सर्वदलीय बैठक का यह फैसला अब राज्य की राजनीति में एक अहम मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि चुनावी तैयारियों के बीच मतदाता सूची की पारदर्शिता और सटीकता को लेकर बहस तेज हो गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एमके स्टालिन की तरफ से एसआईआर पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बारे में, सीपीआईएम पोलित ब्यूरो सदस्य यू वासुकी ने कहा, अन्य राजनीतिक दलों की राय और टिप्पणियों को सुनने के बाद प्रस्ताव के मूल मसौदे में संशोधन किया गया था। इसलिए यह एक बहुत ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया थी... सर्वोच्च न्यायालय के माध्यम से, हम एक कानूनी लड़ाई लड़ेंगे, और हम जनता के पास भी जाएंगे, क्योंकि जनता की भागीदारी के बिना कुछ भी नहीं रोका जा सकता। इसलिए हम इसके खिलाफ अपने अभियान के तहत जनता से संपर्क करेंगे।

प्रियंका गांधी का पीएम मोदी और सीएम रेखा गुप्ता से सीधा सवाल: दिल्ली को ज़हरीली धुंध से मुक्ति कब?

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर निशाना साधा और केंद्र व राज्य सरकारों से दिल्लीवासियों के सांस लेने वाले गंदे धुंध को दूर करने का आग्रह किया। केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद वाड्रा बिहार के बछवाड़ा में चुनावी प्रचार के बाद दिल्ली लौट रही थीं। एक्स (पहले ट्विटर) पर अपनी पोस्ट में, वाड्रा ने दिल्ली की हवा की तुलना वायनाड से की और कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को ढंकने वाला प्रदूषण उस पर डाले गए धूसर आवरण जैसा है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब अपनी राजनीतिक मजबूरियों की परवाह किए बिना एकजुट होकर इस बारे में कुछ करें। उन्होंने आगे कहा, केंद्र और राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस भयावह स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएंगे, हम सब उनका समर्थन और सहयोग करेंगे। साल-दर-साल दिल्ली के नागरिक इस ज़हरीलेपन का शिकार होते हैं और उनके पास कोई चारा नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से तत्काल कदम उठाने का आग्रह करते हुए कहा, सांस की समस्याओं से जूझ रहे लोगों, रोजाना स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और खासकर वरिष्ठ नागरिकों को इस गंदी धुंध को दूर करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है, जिसमें हम सब सांस ले रहे हैं।